Price ₹ 5/-

वर्ष-12, अंक-140, अगस्त 20, 2021

हृदय और धड़कन

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. विनीत सांग्रला	+91-99250 15056	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664	डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
		डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. किशोर गुप्ता	+91-99142 81008
डॉ. निकुंज व्यास	+91-73531 65955

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांग्रला	+91-99250 15056
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

मीनीमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स)

जैसे ये विश्व विशाल में से छोटा बनता जा रहा है वैसे ही कार्डियाक सर्जरी भी मेक्सिमली इन्वेसिव में से मीनीमली इन्वेसिव बनती जा रही है। अगर हम कार्डियाक सर्जरी का इतिहास देखे तो पता चलता है की वो सिर्फ १०० साल ही पुराना है।

Long incision
लंबा चीरा

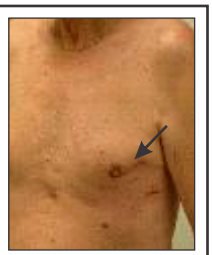

4 inch cut
४ इंच का चीरा

द्रष्टांत के तौर पर देखे तो,

- पहला सफल हार्ट ऑपरेशन : रेहन , १८९६, हार्ट के घाव पे प्रथम बार टाँके लगाए गए
- १९३८ में ग्रॉस द्वारा प्रथम पीडीए क्लोज़र
- १९४८ में ग्रॉस द्वारा प्रथम एएसडी क्लोज़र
- १९५३ में हार्ट लंग मशीन का प्रथम बार उपयोग किया गया
- १९६३ में प्रथम सफल बायपास सर्जरी
- १९९८ में कार्पेन्टियर द्वारा प्रथम रोबोटिक सर्जरी

हार्ट एक लगातार गतिशील एवं क्रियाशील अंग है और उसके साथ ही शरीर के लिए एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण अंग है। कार्डियाक सर्जरी के दौरान सावचेती बरतना बहुत जरुरी है। जिसकी वजह से अभी तक एंडोस्कोपिक या थोराकोस्कोपिक कार्डियाक सर्जरी में बेपरवाही के लिए स्थान नहीं है। ५ साल से मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी का विकास हुआ है जिसमे आशापूर्ण परिणाम मिले है।

ज्यादा से ज्यादा कार्डियाक सर्जरी इस मिक्स प्रक्रिया द्वारा की जा रही है। मिक्स प्रक्रिया सिखने में लम्बा समय लग जाने के कारण एवं तकनीकीरूप से जटिल होने के कारण विश्वभर में इतनी मान्यता मिली नहीं है। भारतमे भी १ -२ साल से ही यह पद्धति को गति मिली है और धीरे धीरे वह कार्डियाक सर्जरी क्षेत्र का हिस्सा बन रही है।

हार्ट सर्जरी का परंपरागत अभिगम

स्टैण्डर्ड मिडलाइन स्टर्नोटॉमी इनसिशन (चीरा) के जिसमे छाती की हड्डी को गरदन से ऊपर के पेट की तरफ पूर्ण रुप से चीरा जाता है। सामान्यत: ८ से १० इंच का लम्बा मिडलाइन चीरा किया जाता है।

परंपरागत अभिगम के फायदे

- हार्ट सर्जन द्वारा की जाती प्रक्रिया हे इसलिए परिस्थिति सर्जनके नियंत्रण अधीन रहती है
- सर्जन समस्त जटिल एवं जोखिमी प्रक्रिया कर सकते है

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

- सर्जन ओपरेशन टेबल पर आ सकती कोई भी समस्या को सुलझानेमें सक्षम होते है
- भूतकालमे सर्जननी तालिम यह अभिगम से होने से सर्जन सर्जरी दौरान स्वस्थ और द्रढ होते है

परंपरागत अभिगम के नुक्सान

- पुसली के फ्रेक्चर के कारण पीड़ा एवं वर्टिबो कोस्टल दबाव की वजह से पीठमे दर्द
- घावमे मुश्किल आना और छाती की हड्डीमें सक्रमण होने का ऊँचा दर
- छातीकी हड्डीको काटना फ्रेक्चर गिना जाता है जिसकी वजह से सम्पूर्ण रिकवरी के लिए ३ माह का आराम देना जरुरी होता है जिसकी वजह से ओपन हार्ट सर्जरीके तमाम नियंत्रण लागू किये जाते हे
- धीमी रिकवरी और हलन चलन में विलम्ब होने की वजह से आईसीयू एवं हॉस्पीटल में लम्बे समय तक रुकना हो सकता हे
- युवा दर्दीओमें कॉस्मेटिक के लगाती समस्याएँ
- बड़े दाग जैसे की केलॉइड्स , वायर साइनस एवं न्यूरोलॉजिकल पीड़ा वगैरह

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) के पीछे का उद्देश्य

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) के पीछे का उद्देश्य कार्डियाक ऑपरेशन की परंपरागत पद्धति से जुडी हुई उदासी को कम करना है। उदासी कम करने से हमारा मतलब है ऑपरेशन की वजह से दर्दीको कम असर हो।

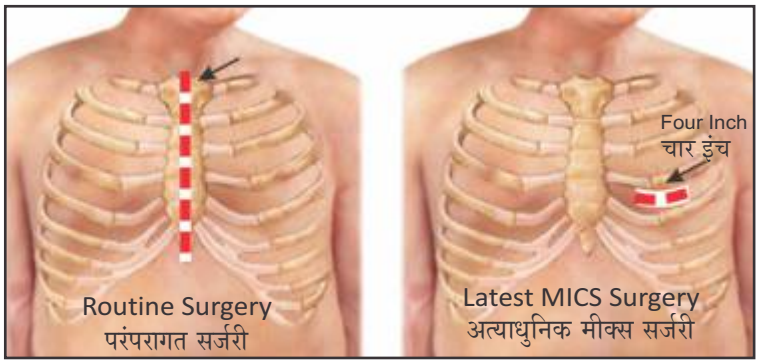

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) की व्याख्या

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी का मतलब छाती की हड्डी को काटने के बाद अथवा छोटे चीरे के द्वारा छाती की हड्डी को अंशत: काटके की जाती कार्डियाक सर्जरी।

सर्जरी के प्रभाव को कम करने के कुछ उपाय हे जैसे की

१. एक रास्ता हे की छाती की हड्डी को काटना टाले। ऐसा करने से दर्दी काम पर या सामान्य कार्य जल्द ही शुरु कर सकते है। दर्द कम होता है और छातीकी हड्डी में संक्रमण की शक्यता कम हो जाती है। ज्यादा तर वाल्वुलर ऑपरेशनमें और कुछ कोरोनरी बायपास ऑपरेशन में स्टर्नोटॉमी को टाला जा सकता है।

इसमें छातीकी हड्डी को नहीं काटने से हड्डीओं के बदले कोमल टिश्युओं को रुज़ाना होता है जिसकी वजह से दर्द कम होता है एवं ऑपरेशन के बाद की रिकवरी जल्दी होती है।

आगे पढे पेज नं. ०४

सीम्स कार्डियाक सायन्स

स्त्रीओ एवं हृदय रोग

क्या आपने हृदय की जाँच करवाई है ?

आपके स्वास्थ्य की आप खुद देखभाल करे

हर साल जरुरी जाँच करवाये

लक्षण को नजरअंदाज ना करे

आपके हृदय के स्वस्थ्य बारे जरुरी सवाल पूछे

हार्ट अटेक के लक्षण

हाथ, गरदनया पीठमें दर्द | छाती में दर्द | साँस लेने में दिक्कत | उलटी या जी मिचलाना | चक्कर आना या सिरदर्द

अन्य लक्षण : ठंडे मौसम में पसीना होना, असामान्य थकान लगना, नींद में तकलीफ होनी

२. कार्डियाक सर्जरी के प्रभाव को कम करने का एक रास्ता हे हार्ट लंग मशीन यानि की कार्डियोपल्मोनरी मशीन का उपयोग टाला जाये । हार्ट लंग मशीन के साथ कुछ समस्याएँ जैसे की स्ट्रोक, यादशक्तिकम होना, किडनी फ़ैल होना, लंग फैल्योर एवं रक्तस्त्राव जुड़े हुए है। फिर भी हार्ट लंग मशीन वाल्व रिप्लेसमेंट , एएसडी क्लोज़र या जन्म से हार्ट रोग जैसे कई हार्ट ऑपरेशन में आवश्यक है फिर भी सब से सामान्य कार्डियाक ऑपरेशन - कोरोनरी आर्टरी बायपास ऑपरेशन जैसे अन्य ओपरेशनमे इसका उपयोग टाला जा सकता है।

ऑफ़ पम्प कोरोनरी रिवास्क्युलराइज़ेशन

विथ एंडोस्कोपिक वेसल हार्वेस्टिंग

- बीटिंग हार्ट सीएबीजी ग एंडोस्कोपिक वेइन हार्वेस्ट या रेडियल आर्टरी हार्वेस्टिंग
- सीएबीजी से सम्बंधित तनाव को कम करता सर्व-भूत अभिगम
- सर्जिकल रिवास्क्युलराइज़ेशन के लिए कम चीरा लगाने का विकल्प

नॉन-स्टर्नोटॉमी अभिगम

यह अभिगममें पूरी लंबाई की मिडलाइन स्टर्नोटॉमी को टाला जाता है । इसके बदले पुसलीओ के बिच में (थोरेक्टमी अभिगम) का उपयोग किया जाता है जिसमे कोई भी हड्डीको काटा नहीं जाता है या सामान्य ३ -४ इंच के चीरे के साथ अंशत: स्टर्नोटॉमी की जाती है।

मीक्स अभिगम के उपयोग से की जाती प्रक्रिया

१. राइट थोरेक्टमी के द्वारा आर्ट्रीयल सेप्टल डिफेक्ट क्लोज़र (हृदय में जन्म से छेद को बंध करना)

२. राइट थोरेक्टमी द्वारा माइट्रल वाल्व रिपेर या रिप्लेसमेंट (वाल रोग)

३. अंशत: अपर स्टर्नोटॉमी या स्मॉल राइट थोरोकटोमी द्वारा एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट

४. बांए इंटरनल मेमरी आर्टरी एवं रेडियल आर्टरी का उपयोग कर के बायीं तरफ ४ - ५ पंसलीओ के बिच से सिंगल या डबल वेसल बीटिंग हार्ट सीएबीजी

यह सर्जरी के लिए परिवर्तन

मीक्स प्रक्रियामें ओपन हार्ट सर्जरी प्रक्रियामें परंपरागत सीधी ऊपरी एओर्टा एवं दांयी एट्रियम की केन्युलेशन के बदले कार्डियोपल्मोनरी बायपास अलग अलग रस्ते से प्रस्थापित किया जाता है। इसमें एसवीसी गले में पंक्चर कर के केन्यूलेट किया जाता है एवं आईवीसी एओर्टा फेमराल के रस्ते से केन्यूलेट किया जाता है । यह तकनीक में विशेष साधन और केन्युलस तथा ट्रांस एसोफेगल इकोकार्डियोग्राम की ऑपरेशन रूममें जरूर होती है और विशेष तालिम की जरूर होती है। सब केन्युल्स ऑपरेटिव एरिया की बहार होने से सर्जरी के लिए मात्र वर्किंग स्पेस की जरूर होती है और ये विशेष लम्बे साधन के द्वारा ३ - ४ इंच का चीरा लगा के किया जा सकता है।

मीक्स अभिगम के फायदे

- कम से कम चीर - फाड़ की प्रक्रिया जिसकी वजह से दर्द कम होता है
- आईसीयू एवं हॉस्पिटल में कम ठहरना
- ज्यादा जोखिम वाले दर्दी जिनके फेफडे ख़राब हो गए हो या स्ट्रोक आया हो उनके लिए उपयोगी
- स्ट्रोक के दर्दी को जल्दी हलनचलन के लिए विशेषरूप से महत्वपूर्ण
- जल्दी रिकवरी की वजह से दैनिक दिनचर्या में जल्दी जुड़ सकते है। जिसकी वजह से इलेक्ट्रिशियन , सुथार, ड्राइवर १ महीने के अंदर ही काम पर जा सकते है।
- अच्छा कार्डियाक रिहेबिलिटेशन
- सुंदरता को कोई क्षति नहीं पहुँचती है - महिलाओ को स्तन एवं थाई फोल्ड पे घाव के निशान आते हे जो दीखते नहीं है । युवा महिलाए पुरे विश्वास के साथ यह सर्जरी करवा सकते है और कोई भी प्रकार की मनोग्रंथि के बिना फैशनेबल वस्त्र पहन सकते है।

मीक्स प्रक्रिया के लिए मरीजो की पसंदगी के मापदंड

- तमाम निर्देशित मरीज़
- युवा वय पहली पसंदगी
- सामान्य पेरिफेरल वास्क्युलर सिस्टम
- सम्बंधित को-पैथोलॉजी की अनुपस्थिति और पहले किया गया ऑपरेशन
- योग्य मूल्यांकन होना बहुत जरुरी हे जिससे ऑपरेशन टेबल पे कोई अकथ्य घटना होते टाला जाए
- दर्दी की इच्छा

क्या मीक्स प्रक्रिया सबके लिए संभव है ?

मीक्स निम्नलिखित मरीजों के लिए संभव नहीं है जैसे की

- मल्टिपल पैथोलॉजी हो
- पेरिफेरल वास्क्युलर रोग
- सम्बंधित प्राकृतिक लक्षण
- दांयी और ग्राफ्टिंग मुश्किल होने से सीएबीजी के केस में मल्टिवेसल रोग
- बहोत ही स्थूल दर्दी पर थोरेक्टमी करना मुश्किल होता है

सिम्स हॉस्पिटल में हमारा अनुभव

- अहमदाबाद एवं पश्चिम भारत में सम्पूर्ण सुसज्जित मीक्स प्रोग्राम शुरु करने वाला प्रथम अधिकृत सेंटर
- अभी तक २००० से ज़्यादा सफल केस
- भारत में प्रथम हायब्रीड बायपास
- मीक्स पद्धति से ऑपरेट किये गए मरीज़ो में अन्य सेंटरों की तुलना में उच्च गुणवत्ता वाला परिणाम

निष्कर्ष

अंत में इतना ही की , सर्जनों के पास यह नई तकनीक आई हे और उसका फायदा मरीज़ो को जरूर है। यह ऐसी तकनीक हे जिसमे हार्ट सर्जरी में पसंदगी के मरीज़ो को पीड़ा एवं रिकवरी समय में नोंधपात्र कमी होती है। मीक्स प्रक्रिया कार्डियाक मरीज़ो के लिए सच में वरदानरूप है जो युवा मरीज़ोंमे तनाव कम कर परिणामो को सुधरता है। जरूर से यह विकल्प सब मरीज़ो के लिए नहीं हे पर पसंदीदा दर्दीओ के लिए यह अच्छा विकल्प है। पुराणी सर्जरी के साथ नया अभिगम है और नया ऑपरेशन है जिससे हज़ारो मरीजोंको ठीक करने की सक्षमता रही हुई है। यह प्रवाह जारी रहेगा और पुरानी समस्याओ को नई तकनीकों के साथ समाधान लाया जा सकेगा।

सिम्स अस्पताल के डॉक्टर वास्तविक सर्जरी से पहले जटिल सर्जरी का अभ्यास करने के लिए 18 वर्षीय 3डी प्रिंटेड हार्ट मॉडल का उपयोग करते हैं। सर्जरी सफल रही, मरीज को छुट्टी दे दी गई और वह ठीक है।

City | AhmedabadMirror | Monday, July 12, 2021 | 5

3D printing aids rare heart surgery

Doctors use 3D printed heart models of a 15-year-old to practise a complex surgery; patient discharged on July 8

Brendan.Dabhi
@ahmedabadmirror.in
TWEETS @BrendanMIRROR

In possibly a first of its kind heart surgery in Ahmedabad, doctors used 3D printed models of a 15-year-old patient to practice the procedure before actually performing it.

With the surgery being highly complex and chances of something going wrong high during the operation, doctors decided to plan the surgery using a 3D model of the patient's heart.

The child, born with the left coronary artery branching out of the pulmonary artery instead of the aorta, had impure blood being pumped directly into his heart instead of passing through the lungs first.

Medically termed as Anomalous Left Coronary Artery from the Pulmonary Artery (ALCAPA) or the Bland-White-Garland Syndrome, it is a congenital heart condition found in the rarest of rare cases. It is believed to occur when the child's heart has developed early on in the pregnancy.

Doctors say that this condition is often diagnosed early on in infants due to the problems it causes shortly after birth. However, in this case, the child spent 15 years with the condition left undiagnosed.

Dr Urmil Shah at CIMS Hospital diagnosed it after the 15-year-old was referred to CIMS from Jodhpur where investigations were underway to find out the reason for his stunted growth. A CT scan followed by an angiography confirmed the condition.

However, with the surgery too complex to perform directly, the surgeons decided to use 3D technology and printed a scale model of the patient's heart with the diagnosed condition and studied it, and planned for what could go wrong on the operation table. CIMS then commissioned a Chennai-based company to print out a model of the heart, which cost about Rs 14,000. Speaking on this, Dr Dhiren Shah said, "When the child is small, tissue is flexible and rerouting of blood vessels is easier to undertake. However, in an adolescent, the circumstances are different. Thanks to the model, we could correctly plan the angle of the reroute and carried it out successfully."

On July 1, doctors Dhiren Shah and Shaunak Shah performed a surgery to first reroute the left coronary artery, first ditching it from the pulmonary artery and then joining it to the aorta. The pericardium layer was attached to the hole left in the pulmonary artery.

Surgeons printed a scale model of patient's heart with the diagnosed condition and studied it to correctly plan angle of the reroute

Condition is rarer in an adolescent

Speaking about the case, Dr Dhiren Shah said, "While ALCAPA is already rare, it is even rarer when seen in an adolescent since this condition can lead to deterioration of heart function and death within 2-4 years. However, this boy had an added advantage where the right coronary artery was also sending pure blood. This is how he survived so long."

सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

एमर्निंट रिसर्च हेल्थकेयर लीडरशपि अवार्ड 2021 में बेस्ट मल्टी-स्पेश्यालीटी हॉस्पिटल, भारत

हम इसे अपने मरीज़ो के विश्वास के साथ पुरस्कृत करते हैं और हमारे सिम्स परिवार को निस्वार्थ भाव से समर्पित करते है।

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सिम्स में सफलतापूर्वक संपन्न हुई 700 ग्राम वजन की नवजात के दिल की सर्जरी

सिम्स अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने 24 दिन की नवजात बच्ची की सर्जरी में किया कई चुनौतियों को पार ।

अहमदाबादः एक अद्भुत और बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति में, एक प्रीमैच्योर (समय से पूर्व होने वाले बच्चे) ७०० ग्राम के नवजात के हृदय की शल्य चिकित्सा स्थानीय सीआईएमएस में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। २४ दिन की इस नवजात बच्ची के हृदय में विकार था जिसके लिए यह सर्जरी की गई।

इस नवजात बच्ची का जन्म मेहसाणा के खेरालु में हुआ था और इसे जन्म से ही 'पेटेंट डक्ट्स आर्टिरियोसिस' नामक हृदय विकार था। इस स्थिति में डक्ट्स आर्टिरियोसिस, जो कि सामान्यतः जन्म के समय बन्द हो जाता है, वह खुला रह जाता परिणामस्वरूप ऑक्सीजन युक्त खून शरीर में सर्क्युलेट होने की बजाय, वापस फेफड़ों की तरफ जाने लगता है।

यह नवजात, एप्निया (सांस में रुकावट) वाली स्थिति में आ गई थी और अचानक इसने सांस लेना बंद कर दिया था। सीम्स के पीडियाट्रिक कार्डियोलोजिस्ट डॉ. दिव्येश सादड़ीवाला ने इसका परीक्षण किया और सर्जरी के लिए रेफर किया ।

सिम्स में पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जन, डॉ. शौनक शाह, ने बताया- "इस हृदय विकार को सुधारने के लिये, पीडीए लाईगेशन (ब्लड वेसल को बांधकर बन्द कर देना) सर्जरी की जरूरत होती है लेकिन इस केस में यह कई सारे कारणों से बहुत रिस्की थी। बेबी का जन्म समय से पहले हो गया था और उसका वजन बहुत कम था। उसका क्रिएटिनिन लेवल बहुत अधिक था जो कि किडनी के ठीक तरह से काम न करने की ओर इशारा कर रहा था। साथ ही बेबी में

कुछ संक्रमणों के लक्षण भी दिखाई दे रहे थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि जन्म से ही वजन कम होने से बेबी की स्थिति बहुत नाजुक हो गई थी। इसके बावजूद हमने पीडीए लाईगेशन सर्जरी की दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय लिया क्योंकि यही एकमात्र विकल्प था।"

डॉ. शाह ने बताया कि शनिवार को बच्ची की पीडीए लाईगेशन सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

सिम्स की एनेस्थेसिया टीम का नेतृत्व डॉ. नीरेन भावसार, डॉ. हीरेन ढोलकिया, डॉ. चिंतन शेठ ने किया। सीआईएमएस के नियोनेटल एवं पीडियाट्रिक इंटेंसिविस्ट, डॉ.अमित चितलिया भी नवजात का जीवन बचाने में सफल रही इस सर्जरी करने वाली टीम का हिस्सा रहे। बच्ची अभी रिकवर कर रही है।

डॉ. अमित ने कहा-' सिम्स में अब तक की गई सर्जरीज़ में यह नवजात सबसे कम वजन की और संभावित रूप से सबसे छोटी बच्ची थी जिसका ऑपरेशन हमने किया। बल्कि शायद पूरे गुजरात मे यह सबसे छोटी नवजात हो जिसकी कार्डियक सर्जरी की गई है।'

उल्लेखनीय है कि बाकी चुनौतियों के अलावा कम वजन वाले शिशुओं में हाइपोथर्मिया होने की भी आशंका होती है। इसका मतलब होता है शरीर के तापमान का अचानक कम हो जाना। यही कारण था कि सर्जरी टीम ऑपरेशन के दौरान एयरकंडीशनर भी चालू नहीं कर सकी। यही नहीं, नवजात को इंफेंट वॉर्मर पर ऑपरेट किया गया।

ये सभी अतिरिक्तचुनौतियां थीं। लेकिन टीम एफर्ट्स और सपोर्ट सिस्टम की वजह से हम इस काम में सफल हुए। यहां सिम्स फाउंडेशन के सहयोग का विशेष उल्लेख भी आवश्यक है, जो कि हमेशा से नवजात मरीजों की इस तरह की जान बचाने वाली सर्जरीज़ में मदद करता रहा है।' उन्होंने आगे कहा।

CIMS Hospital - Care Institute of Medical Sciences

FOLLOW, LIKE US & SHARE

गुजरातमें अग्रेसर

सीम्स ट्रान्सप्लान्ट सेन्टर, अहमदाबाद

कुशल और अनुभवी ट्रान्सप्लान्ट की टीम के साथ

जहां होते है सभी ट्रान्सप्लान्ट, एक जगह....

- हार्ट ट्रान्सप्लान्ट
- लीवर ट्रान्सप्लान्ट
- किडनी ट्रान्सप्लान्ट
- लंग ट्रान्सप्लान्ट (लायसन्स)
- पीडियाट्रीक बोर्न मेरो ट्रान्सप्लान्ट

अभी तक के 200 ट्रान्सप्लान्ट

15	32	13	140
हार्ट ट्रान्सप्लान्ट	लीवर ट्रान्सप्लान्ट	किडनी ट्रान्सप्लान्ट	पीडियाट्रीक बोर्न मेरो ट्रान्सप्लान्ट

मल्टी-सुपर स्पेशियलीटी होस्पिटल एक जगह सभी निदान

सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

15th	32nd	13th
हार्ट ट्रान्सप्लान्ट	लिवर ट्रान्सप्लान्ट	किडनी ट्रान्सप्लान्ट

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2019-2021 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2021
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/088/2019-21 valid upto 31st December, 2021

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2772 2771-75

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 2823

सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

सिम्स अस्पताल में मेडिकल टीम में नये डॉक्टर शामिल ।

सिम्स केन्सर सेन्टर

डॉ. हिरक व्यास
MBBS, MD(Radiation Oncology),
कन्सलटन्ट रेडियेशन ओन्कोलोजीस्ट
M: +91-96389 83814
hirak.vyas@cimshospital.org

सिम्स कार्डियाक सायन्स

डॉ. निकुंज व्यास
MS, MCh (CVTS)
कन्सलटन्ट कार्डियोवास्क्युलर और थोरासीस सर्जन
M: +91-73531 65955
nikunj.vyas@cimshospital.org

सिम्स पेथोलोजी

डॉ. स्वाति सिंह
MBBS, DNB (Pathology)
कन्सलटन्ट पेथोलोजीस्ट
M: +91-91467 19290
swati.singh@cimshospital.org

डॉ. कजुमी गोंडलीया
MBBS, MD (Pathology)
कन्सलटन्ट पेथोलोजीस्ट
M: +91-98255 54778
kazumi.gondalia@cimshospital.org

अपोईन्टमेन्ट के लिए : +91-79-4805 1008 (M) +91-98250 66661

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।

CIMS CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices